4. टी० ए० सी० की अवधि ।

सामान्यतया टी० ए० सी० का कार्यकाल दो वर्ष होता है ।

अलमोड़ा तथा पिथौरागढ़ में कुकिंग गैस कनैक्शन

3882. **श्री हरीश चन्द्र सिंह रावत :** क्या **पट्रोलियम, रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के अलमोड़ा तथा पिथौरागढ़ जिलों में उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां पिछले एक वर्ष में कुकिंग गैस कनैक्शन मंजूर किए गए हैं;

(ख) कहां कहां कनैक्शन दिए गए हैं; और

(ग) कहां कहां कनैक्शन नहीं दिए गए हैं और इस के क्या कारण हैं और कब तक कनैक्शन दिए जाने की संभावना है ?

पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : (क) से (ग). वर्ष 1981 के दौरान उत्तर प्रदेश के अलमोड़ा तथा पिथौरागढ़ जिलों में जहां नयी डिस्ट्रीब्यूटरशिपें आरम्भ की जा चुकी हैं, निम्नलिखित स्थानों में खाना पकाने की गैस (एल०पी०जी०) के कनैक्शन जारी किए गए हैं :--

स्थान :	
अल्मोड़ा रानीखेत	(अल्मोड़ा जिला)
पिथौरागढ़	(पिथौरागढ़ जिला)

उपर्युक्त एल०पी०जी० कनैक्शनों को केवल उन कस्बों की सीमाओं के अन्तर्गत जारी किया गया है जिन में कुमायूं विकास निगम डिस्ट्रीब्यूटरशिपों को स्थापित करने में समर्थ हो सका है । निगम द्वारा स्थापित की जा रही सुविधाओं पर अन्य स्थानों पर नए एल० पी० जी० कनैक्शनों को जारी करना संभव होगा ।

अलमोड़ा और पिथौरागढ़ में पन-बिजली परियोजनाएं

3883. **श्री हरीश चन्द्र सिंह रावत :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश सरकार ने अलमोड़ा तथा पिथौरागढ़ जिलों के लिए उनके मंत्रालयों को को अनुमोदन के लिये कितनी पन-बिजली परियोजनाएं प्रस्तुत की हैं और तत्संबंधी पूर्ण ब्यौरा क्या है; और

(ख) इन परियोजनाओं का कब तक अनुमोदन कर दिया जायगा ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विक्रम महाजन): (क) और (ख). इस समय, उत्तर प्रदेश के अलमोड़ा और पिथौरागढ़ जिलों में जल विद्युत परियोजनाओं की कोई परियोजना रिपोर्ट इस मंत्रालय में अनुमोदन के लिए लम्बित नहीं पड़ी है । तथापि, उत्तर प्रदेश सरकार ने पिथौरागढ़ जिले में शारदा घाटी की जल विद्युत् परियोजनाएं, केन्द्रीय क्षेत्र में कार्यान्वियन हेतु राष्ट्रीय जल विद्युत् निगम को सौंपी है । प्रथम चरण में तीन स्कीमें नामश:

1. धौलीगंगा नदी पर धौलीगंगा परियोजना

2. गोरी गंगा नदी पर गोरीगंगा परियोजना

3. रामगंगा नदी पर पूर्वी रामगंगा परियोजना हाथ में ली जा रही हैं । इस समय, राष्ट्रीयजल विद्युत् निगम द्वारा शारदा घाटी में इन स्कीमों का अन्वेषण कार्य शुरू करने की व्यवस्था की जा रही है ।